डॉ. रॉबर्ट सी. न्यूमैन, चमत्कार, सत्र 6, मानव क्षेत्र में यीशु के चमत्कार

© 2024 रॉबर्ट न्यूमैन और टेड हिल्डेब्रांट

ठीक है, हम अपना कोर्स जारी रख रहे हैं, चमत्कारी और यीशु के चमत्कार। मुझे लगता है कि इसे थोड़ा और आगे बढ़ाने की जरूरत है। शायद इसे इस तरह से मोड़ा जाए कि आपको थोड़ा सा... इससे अपनी सारी उलझनें सुलझा लें।

ठीक है, हम अपना पाठ्यक्रम जारी रखते हैं, चमत्कारी और यीशु के चमत्कार। हमने चमत्कारों पर चार व्याख्यान पहले ही देख लिए हैं, पुराने और नए नियम के चमत्कारों का एक त्वरित सर्वेक्षण, फिर ईसाई धर्म में बाइबिल से बाहर के चमत्कारों का सर्वेक्षण, और फिर तीसरा विज्ञान और धार्मिक उदारवाद का उदय, और चौथा चमत्कारों पर आपत्तियों का जवाब देना।

पिछली बार हमने अपने पांचवें व्याख्यान की शुरुआत प्राकृतिक क्षेत्र में यीशु के चमत्कारों से की थी, और अब यह दूसरा व्याख्यान मानवीय क्षेत्र में यीशु के चमत्कारों के बारे में है। यहाँ, हम मानवीय बीमारी और मृत्यु से संबंधित चमत्कारों को देखने जा रहे हैं। ऐसे चमत्कारों में कुलीन व्यक्ति के बेटे का उपचार, रक्तस्राव से पीड़ित महिला, याईर की बेटी को जीवित करना, लकवाग्रस्त व्यक्ति को ठीक करना, कोढ़ी को शुद्ध करना, सूबेदार के सेवक को, विधवा के बेटे को जीवित करना, बेथेस्डा के तालाब पर उपचार करना, जन्म से अंधे व्यक्ति को, सूखे हाथ वाले व्यक्ति को, दस कोढ़ियों को, बहरे और गूंगे व्यक्ति को, और लाजर को जीवित करना शामिल है।

पहले की तरह, हम इनमें से केवल कुछ ही करेंगे जो हमारे अन्य पावरपॉइंट वार्ता में नहीं हैं, जो अन्यथा हमारी IBRI वेबसाइट, www.ibri.org पर पाए जाते हैं। सबसे पहले, हम जॉन 4 में पाए जाने वाले कुलीन व्यक्ति के बेटे के उपचार को देखते हैं, और यहाँ वह अंश है, जॉन 4, 46-50। एक बार फिर, वह, यानी यीशु, गलील में काना गया, जहाँ उसने पानी को शराब में बदल दिया था, और वहाँ एक निश्चित शाही अधिकारी था जिसका बेटा कफरनहूम में बीमार था। जब इस व्यक्ति ने सुना कि यीशु यहूदिया से गलील में आया है, तो वह उसके पास गया और उससे विनती की कि वह आकर उसके बेटे को ठीक कर दे, जो मरने के करीब था।

यीशु ने उससे कहा, जब तक तुम चमत्कारी चिह्न और चमत्कार नहीं देखोगे, तुम कभी विश्वास नहीं करोगे। राज-अधिकारी ने कहा, “श्रीमान्, मेरे बच्चे के मरने से पहले नीचे आ जाओ।” यीशु ने उत्तर दिया, “ तुम जा सकते हो, तुम्हारा बेटा जीवित रहेगा।”

वह व्यक्ति यीशु की बात मानकर चला गया। जब वह अभी रास्ते में ही था, तो उसके सेवकों ने उसे समाचार दिया कि उसका लड़का जीवित है। जब उसने पूछा कि उसका बेटा कब ठीक हुआ, तो उन्होंने उससे कहा, “ कल सातवें घंटे में उसका बुखार उतर गया था। ”

तब पिता को एहसास हुआ कि यह वही समय था जब यीशु ने उससे कहा था, " तेरा बेटा जीवित रहेगा।" इसलिए उसने और उसके सारे घराने ने विश्वास किया। यह दूसरा चमत्कार था जो यीशु ने यहूदिया से गलील में आकर दिखाया था।

खैर, उस छोटे से अवसर की ऐतिहासिकता के बारे में सोचिए। यह यीशु के यहूदिया और सामरिया से गलील लौटने के बाद की घटना है। यह पिता की विनती के जवाब में है।

इस बात की एक तरह से अर्ध-उदारवादी व्याख्या यह है कि यीशु ने मानसिक रूप से लड़के को जीने की इच्छाशक्ति दी। हाल के वर्षों में उदारवादी इस तरह की बातों से दूर हो गए हैं, लेकिन फिर भी वे मनोदैहिक उपचार या इस तरह की किसी चीज़ के बारे में बात कर सकते हैं। ऐतिहासिकता का प्रमाण।

यह कोई शाही अधिकारी या शाही परिवार का रिश्तेदार है। क्या वह लूका 8.3 का चयनकर्ता था? पता नहीं। क्रिया नीचे आती है, श्लोक 47।

कफरनहूम झील के किनारे है, और काना पहाड़ी पर है और लगभग 20 मील दूर है। तो यह भूगोल के बारे में कुछ जानकारी दर्शाता है, अगर आप चाहें तो। और फिर समय संकेत देता है कि पिता... मैंने यीशु को सातवें घंटे में यह कहते हुए सुना।

इससे हमें यह सवाल उठता है कि जॉन किस तरह के समय संकेतन का उपयोग करता है। कुछ अंशों को देखने के बाद, उस दिशा में मेरा अपना विचार यह है कि जॉन वास्तव में रोमन प्रणाली का उपयोग करता है, जो कि हमारे जैसा ही है। ये सुबह के सात या शाम के सात बजे हैं, और चूंकि यह कल था, इसलिए शायद शाम के सात बजे हैं, और फिर पिता वापस जाता है और अगले दिन किसी समय आता है।

पिता के विश्वास का विकास यहाँ भी देखा जा सकता है। पद 47 में, वह चाहता है कि यीशु नीचे आए, लेकिन फिर पद 50 में, वह यीशु की बात मान लेता है, और यीशु के इस वचन पर कि बेटा जीवित रहेगा, वह वापस लौटता है और घर चला जाता है। और फिर जब उसे पता चलता है कि बेटा कब ठीक होने लगा, पद 52 में, हम देखते हैं कि उसके परिणामस्वरूप, उसने विश्वास किया।

श्लोक 53. प्रत्यक्षदर्शियों की प्रतिक्रिया। घटना के दोनों पक्षों को केवल पिता ने ही देखा, लेकिन उन्होंने स्वतंत्र रूप से समय की जांच की।

घर के नौकरों को बुखार के अचानक खत्म होने का पता चल गया, और पिता और घर के लोगों ने विश्वास किया। पुराने नियम की पृष्ठभूमि। हमारे पास इस तरह के कौन से चमत्कार हैं? खैर, संख्या 21 में साँपों से चंगा होना, संख्या 12 में मरियम का कोढ़, 2 राजा 5 में नामान का कोढ़, ये सभी चंगाई हैं, 2 राजा 20 में हिजकिय्याह का चंगा होना, 1 राजा 14 में अबिय्याह के चंगे होने के बारे में अनुरोध, और इनमें से कम से कम एक, नामान दूर से चंगा कर रहा था, यानी, जब नामान वास्तव में चंगा हुआ तो एलिय्याह वहाँ नहीं था।

कुछ अन्य समानताएँ भी हैं। भजन 103 हमें बताता है कि प्रभु आपके सभी रोगों को ठीक करता है। हे मेरी आत्मा, प्रभु की स्तुति करो और उसके सभी लाभों को मत भूलना, जो तुम्हारे सभी पापों को क्षमा करता है और तुम्हारी सभी बीमारियों को ठीक करता है।

वाचा के शापों में बीमारियाँ और बुखार शामिल हैं। लैव्यव्यवस्था 26:16. मैं पद 15 से शुरू करूँगा।

और यदि तुम मेरे नियमों को अस्वीकार करते हो और मेरे नियमों से घृणा करते हो, और मेरी सभी आज्ञाओं का पालन करने में विफल रहते हो, और इस प्रकार मेरी वाचा का उल्लंघन करते हो, तो मैं तुम्हारे साथ ऐसा करूँगा। मैं तुम पर अचानक भय, दुर्बलता की बीमारियाँ, और ज्वर लाऊँगा जो तुम्हारी दृष्टि को नष्ट कर देगा और तुम्हारे प्राणों को नष्ट कर देगा। तुम व्यर्थ ही बीज बोओगे क्योंकि तुम्हारे शत्रु उसे खा जाएँगे।

महत्व। खैर, तत्काल प्रभाव। यीशु विश्वास के साथ चिह्नों और चमत्कारों के संबंध की बात करते हैं, कि कभी-कभी लोगों को परमेश्वर पर अधिक भरोसा करने, विश्वास करने आदि के लिए कुछ ऐसी चीज़ों की आवश्यकता होती है, जैसे कि यीशु पर भरोसा करना।

ध्यान दें कि उपचार लगभग 20 मील दूर है। लड़का ठीक हो जाता है, श्लोक 52. पिता को श्लोक 47, 48, 50, 53 में विश्वास में लाया जाता है।

इसके अलावा, घराने पर भी, श्लोक 53. तो, तत्काल प्रभाव। लड़का चंगा हो गया, और पिता और घराने को विश्वास में लाया गया।

जब पिता यीशु पर भरोसा करता है और घर लौटता है, तब लड़का ठीक हो जाता है। उद्धार के इतिहास में इसका स्थान। क्या यह यीशु की पहली चंगाई है? पहली चंगाई का उल्लेख यूहन्ना में किया गया है, लेकिन संभवतः नहीं।

यूहन्ना 2:23 से पता चलता है कि यीशु अन्यत्र भी लोगों को चंगा कर रहे थे। इसका मतलब शायद यह है कि यह गलील का दूसरा चिन्ह है। तो गलील में पहली चंगाई।

प्रतीकात्मक तत्व, कुछ भी स्पष्ट नहीं। आप पिता की तुलना अब्राहम से कर सकते हैं, लेकिन अब्राहम अपने बेटे को देने के लिए तैयार है, और यहाँ पिता बहुत चिंतित है। अगर आप चाहें तो तैयार नहीं।

आप पिता की तुलना ईश्वर से कर सकते हैं। ईश्वर ने अपना पुत्र दिया। यीशु के चमत्कार अक्सर सृष्टि की ओर या युग के अंत की ओर देखते हैं।

खैर, चंगाई के सभी चमत्कार निश्चित रूप से मनुष्य के पतन और उसके परिणामस्वरूप होने वाली बीमारी और मृत्यु को दर्शाते हैं, और यीशु इन सभी को पीछे मोड़ रहे हैं, ऐसा कहा जा सकता है। इस अर्थ में, वे युग के अंत की ओर भी देखते हैं जब सभी को मृतकों में से उठाया जाएगा, और कोई बीमारी और मृत्यु और ऐसी कोई चीज़ नहीं होगी। मानव क्षेत्र पर यीशु के

चमत्कारों के दूसरे उदाहरण पर आगे बढ़ें, मत्ती 9, मरकुस 2 और लूका 5 में लकवाग्रस्त व्यक्ति का चंगा होना। मैं यहाँ मरकुस 2 के अंश पर एक नज़र डालता हूँ। कुछ दिनों बाद, जब यीशु फिर से कफरनहूम में दाखिल हुआ, तो लोगों ने सुना कि वह घर आ गया है।

इतने लोग इकट्ठे हुए कि दरवाज़े के बाहर भी जगह नहीं बची, और उसने उन्हें वचन सुनाया। कुछ लोग एक लकवाग्रस्त व्यक्ति को लेकर आए, जिसे चार लोगों ने यीशु के पास उठाया। चूँकि वे उसे भीड़ के कारण यीशु के पास नहीं ला सके, इसलिए उन्होंने यीशु के ऊपर की छत में एक छेद बनाया और उसमें से खोदकर उस चटाई को नीचे उतारा जिस पर लकवाग्रस्त व्यक्ति लेटा हुआ था।

जब यीशु ने उनका विश्वास देखा, तो उसने लकवाग्रस्त से कहा, बेटा, तेरे पाप क्षमा हुए। वहाँ कुछ व्यवस्थापक बैठे हुए सोच रहे थे, यह आदमी ऐसी बातें क्यों कर रहा है? यह ईश्वर की निन्दा कर रहा है। केवल परमेश्वर के अलावा कौन पापों को क्षमा कर सकता है? तुरन्त यीशु ने आत्मा में जान लिया कि वे अपने मन में ऐसा ही सोच रहे थे, और उसने उनसे कहा, तुम ये बातें क्यों सोच रहे हो? कौन-सा आसान है, लकवाग्रस्त से यह कहना कि तेरे पाप क्षमा हुए, या यह कहना कि उठ, अपनी खाट उठा और चल फिर? परन्तु इसलिये कि तू जान ले कि मनुष्य के पुत्र को पृथ्वी पर पाप क्षमा करने का अधिकार है, उसने लकवाग्रस्त से कहा, मैं तुझ से कहता हूँ, उठ, अपनी खाट उठा और अपने घर चला जा।

वह उठ खड़ा हुआ, अपनी खाट उठाई, और सबके सामने बाहर चला गया। यह देखकर सब लोग चकित हो गए, और उन्होंने परमेश्वर की स्तुति करते हुए कहा, “ हमने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। इस घटना के अवसर के बारे में सोचो।”

मैथ्यू और मार्क के मतभिन्नता से यह स्पष्ट नहीं है कि यह कब हुआ, लेकिन जाहिर है, यह मैथ्यू के धर्म परिवर्तन से ठीक पहले हुआ था। ऐतिहासिकता का प्रमाण। यह तीनों सुसमाचारों में इस रूप में पाया जाता है कि यह सुझाव देता है कि वे एक दूसरे से कॉपी नहीं किए गए हैं।

समय का विवरण अस्पष्ट है, लेकिन यह कफरनहूम में हुआ था। प्राकृतिक रूप से दिए गए पुरुषों की संख्या महत्वपूर्ण है। उनमें से चार उसे ले जा रहे हैं।

ध्यान दें कि वास्तव में यह नहीं लिखा है कि वहाँ केवल यही लोग थे। कुछ लोग इस व्यक्ति को लेकर आए थे, जिसे चार लोग ले जा रहे थे। हो सकता है कि उन चार लोगों के अलावा भी कई लोग रहे हों।

छत खोलना निश्चित रूप से असामान्य है। प्रत्यक्षदर्शियों की प्रतिक्रिया। पाप क्षमा करने के दावे पर फरीसी बड़बड़ाते हैं, लेकिन जब चमत्कार काम करता है तो वे स्पष्ट रूप से चुप हो जाते हैं।

लकवाग्रस्त व्यक्ति परमेश्वर की महिमा करते हुए चला जाता है। अन्य लोग आश्चर्यचकित और भयभीत हो जाते हैं, परमेश्वर की महिमा करते हैं, और घटना की विशिष्टता और विचित्रता पर टिप्पणी करते हैं। यहाँ हमारे पास पुराने नियम की किस तरह की पृष्ठभूमि है? कुछ समान चमत्कार।

आपको याद होगा कि 1 राजा 13 में यारोबाम का हाथ सूख गया था और फिर ठीक हो गया था, जब उसे यहूदा के परमेश्वर के आदमी ने डांटा था, जो यारोबाम द्वारा स्थापित इस झूठे उपासना केंद्र के खिलाफ बोलने आया था। यशायाह 53:6 कहता है कि इस्राएल के छुटकारे के समय लंगड़े हिरण की तरह उछलेंगे। कुछ अन्य समानताएँ।

खैर, लैव्यव्यवस्था 21:18 में कहा गया है कि लंगड़ापन और इस तरह की चीजें किसी व्यक्ति को पुजारी बनने के लिए अयोग्य ठहराती हैं। क्षमा केवल परमेश्वर और उस व्यक्ति द्वारा दी जा सकती है जिसके विरुद्ध पाप किया गया हो। यही पुराने नियम की मूल शिक्षा है, जिसके कारण इन फरीसियों ने इस तरह की प्रतिक्रिया व्यक्त की।

यह स्पष्ट नहीं है कि यीशु के खिलाफ़ पाप किया गया है, और इसलिए वह खुद को क्या बना रहा है? भगवान? अगर मैं किसी ऐसे पाप को माफ़ कर दूँ जो किसी ने आपके साथ किया है, लेकिन वह मैं नहीं हूँ, आदि, तो आप भी यही सोचेंगे। महत्व। तत्काल प्रभाव।

वह व्यक्ति ठीक हो गया है। पापों को क्षमा करने के यीशु के दावे का प्रमाण है। मुझे लगता है कि हार्डर के बारे में उनकी टिप्पणी मूल रूप से इस विचार पर आधारित है कि कोई भी कह सकता है कि किसी के पाप क्षमा हो गए हैं, और हमें अंतिम निर्णय तक पता नहीं चलता कि वे क्षमा हुए हैं या नहीं, लेकिन फिर वह कुछ ऐसा करेगा जिसका प्रभाव आप देख सकते हैं। वास्तव में उसके पास शक्ति है।

मुक्ति के इतिहास में एक स्थान। जो पाप को क्षमा करता है वह मनुष्य बन गया है। यही वह चीज़ है जिसे हम यहाँ देखते हैं।

प्रतीकात्मक तत्व? यशायाह 35.6 की तुलना करें, जो अंतिम समय की ओर इशारा करता है। तब लंगड़ा हिरण की तरह उछलेगा, और गूंगा जीभ खुशी से चिल्लाएगी। जंगल में पानी बहेगा और रेगिस्तान में नदियाँ बहेंगी।

तो हम यहाँ पहुँचते हैं, और यह यीशु के चमत्कारों में एक असामान्य विशेषता नहीं है, कि वे या तो सृष्टि में परमेश्वर द्वारा किए गए कार्यों की ओर संकेत करते हैं, जैसे कि यदि आप चाहें तो पानी को शराब में बदलना, या वे इस बात की ओर इशारा करते हैं कि युग के अंत में क्या होगा। यदि आप चाहें तो यह लंगड़ा आदमी हिरण की तरह उछलता है। हम मानव क्षेत्र में तीसरे चमत्कार की ओर बढ़ते हैं, कोढ़ी को शुद्ध करना, मत्ती 8, मरकुस 1, लूका 5। यहाँ हम मत्ती के वृत्तांत, मत्ती अध्याय 8 को देखते हैं। जब वह पहाड़ से नीचे आया, तो बड़ी भीड़ उसके पीछे चली गई।

कुष्ठ रोग से पीड़ित एक व्यक्ति और एनआईवी फुटनोट से पता चलता है कि यूनानी शब्द का इस्तेमाल त्वचा को प्रभावित करने वाली विभिन्न बीमारियों के लिए किया जाता था, जरूरी नहीं कि जिसे हम आज कुष्ठ रोग कहते हैं। एक कोढ़ी व्यक्ति आया और उसके सामने घुटने टेककर बोला, प्रभु, अगर आप चाहें तो मुझे शुद्ध कर सकते हैं। यीशु ने अपना हाथ बढ़ाया और उस व्यक्ति को छुआ।

मैं तैयार हूँ, उसने कहा। शुद्ध हो जाओ। तुरन्त ही उसका कोढ़ ठीक हो गया।

तब यीशु ने उससे कहा, " देख , किसी से न कहना, परन्तु जाकर अपने आप को याजक को दिखा, और जो भेंट मूसा ने उन्हें गवाही के लिये चढ़ाने की आज्ञा दी है, उसे चढ़ा।" घटना की ऐतिहासिकता। कभी-कभी, मत्ती सबसे निश्चित प्रतीत होता है, जो इसे पर्वत पर उपदेश और मत्ती 8 के बाद रखता है। मार्क और ल्यूक अस्पष्ट हैं, लेकिन अभी भी गैलीलियन मंत्रालय के आरंभ में हैं।

वह व्यक्ति यीशु की खोज करता है - उदार व्याख्याएँ जबकि बीमारी की सटीक प्रकृति के बारे में कुछ अनिश्चितता है। हिब्रू और ग्रीक शब्दों को हैनसेन की बीमारी से अधिक व्यापक माना जाता है, जिसके अपने कई प्रकार हैं।

उदारवादी लोग हल्के रूपों और किसी तरह के मनोवैज्ञानिक उपचार का विकल्प चुनते हैं। मैथ्यू इस घटना को पर्वत पर उपदेश के स्थल के पास स्थित करता है - मार्क और ल्यूक गलील के दौरे पर कफरनहूम से बाहर निकले थे।

प्रतिक्रिया? प्रत्यक्षदर्शियों का विवरण नहीं दिया गया है। कोढ़ी इतना घबरा गया था कि उसने यीशु के निर्देशों का पालन नहीं किया कि उसके ठीक होने की खबर न फैलाई जाए। मार्क 1.43-45 हमें यह बताता है।

यह हमारे मैथ्यू अंश में नहीं है। आप सोच रहे होंगे कि यीशु ने पहले जाकर खुद को दिखाने के लिए क्यों कहा, आदि, लेकिन मुझे लगता है कि वह खुद से कहता है कि यह उनके लिए एक गवाही क्यों है।

वह चाहता था कि यह व्यक्ति सामने आए, कोई ऐसा व्यक्ति जो स्पष्ट रूप से कोढ़ से शुद्ध हो चुका था, इससे पहले कि उन्हें पता चले कि यह किसने किया। इस तरह, अगर पुजारियों के बीच उसके खिलाफ कोई पक्षपात है, तो वे पहले ही इसकी पुष्टि कर लेंगे, इससे पहले कि उन्हें पता चले कि यह सब क्या था। पुराने नियम की पृष्ठभूमि? हमारे पास कुछ ऐसे ही चमत्कार हैं।

हमारे पास कुष्ठ रोग से चंगाई है। आपको मूसा का वह हाथ याद है जिसे उसने अपने वस्त्र में डाला और बाहर निकाला, और वह कोढ़ हो गया, और उसने उसे वापस डाला और बाहर निकाला, और वह कोढ़ फिर से नहीं रहा। निर्गमन 14.

संख्या 10 में मरियम को कोढ़ हो गया था और फिर वह ठीक हो गई। 2 राजा 5 में नामान। पुराने नियम में कोढ़ से कई लोगों के ठीक होने का वर्णन है। कुछ अन्य समानताएँ? लूका 13 में पुराने नियम में कोढ़ का निदान किया गया है।

और फिर लैव्यव्यवस्था 13 में। फिर, लैव्यव्यवस्था 14 में, शुद्धिकरण की गवाही, शुद्धिकरण समारोह, क्षमा करें। यदि आप लैव्यव्यवस्था 14 को देखें और इसकी तुलना मृतकों को छूने से करें, तो शुद्धिकरण समारोह आठ दिनों तक चलता है और इसमें कुछ अंतिम भेंटें शामिल होती

हैं। महत्व तत्काल प्रभाव: व्यक्ति शुद्ध हो जाता है, और उसके विश्वास को पुरस्कृत किया जाता है।

यीशु की करुणा देखी जा सकती है, और व्यवस्था और समारोह के प्रति उनकी चिंता इसकी गवाही है। क्या यीशु गलत तरह के प्रचार से बचने के लिए चिंतित हैं? शायद यही यहाँ हो रहा है। उद्धार के इतिहास में मूसा और एलीशा की तरह एक स्थान, जो कोढ़ियों को ठीक करता है, फिर से पृथ्वी पर चलता है।

इसके विपरीत, यीशु ने कोढ़ी को छुआ जो शुद्ध हो गया, न कि यीशु को अशुद्ध किया। एलिय्याह और एलीशा द्वारा पुनरुत्थान के समानांतर। कोई, बेशक, तर्क दे सकता है, ठीक है, शायद यीशु ने उस अशुद्धता को अपने ऊपर ले लिया, और यह भी एक संभावना है।

हम वहाँ नहीं थे, और हम वैसे भी उस तरह की चीज़ नहीं देख सकते। मुझे इसका उत्तर निश्चित रूप से नहीं पता। प्रतीकात्मक तत्व आश्चर्यजनक रूप से, हालाँकि मैंने अपने पूरे जीवन में इसके बारे में सुना था, मुझे कुष्ठ रोग के प्रतीकात्मक मूल्य का स्पष्ट प्रमाण नहीं मिला।

भजन 51 , श्लोक 5 से 7, जो मुझे लगता है कि सबसे अच्छा उम्मीदवार था, स्पष्ट रूप से कुष्ठ रोग का उल्लेख नहीं कर रहा है। निश्चित रूप से, मैं जन्म से ही पापी था, दाऊद कहता है, जब से मेरी माँ ने मुझे गर्भ धारण किया, तब से पापी हूँ। निश्चित रूप से आप भीतरी भागों में सच्चाई की इच्छा रखते हैं, आप मुझे अंतरतम स्थान में ज्ञान सिखाते हैं।

मुझे जूफा से साफ करो, और मैं शुद्ध हो जाऊंगा। मुझे धोओ, और मैं बर्फ से भी ज्यादा सफेद हो जाऊंगा। तो, हम यहाँ दाऊद द्वारा चित्रित किसी प्रकार के शुद्धिकरण समारोह को देखते हैं, लेकिन कोई स्पष्ट कथन नहीं है कि कुष्ठ रोग पाप या उस तरह का कुछ प्रतीक है।

इसलिए, हालांकि यह कोई अनुचित अनुमान नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि इसके लिए सबूत बहुत मजबूत थे क्योंकि मैंने इसे कई बार सुना है। हम बेथेस्डा के तालाब पर चंगाई की घटना की ओर बढ़ते हैं। यूहन्ना 5 कुछ समय बाद, यीशु यहूदियों के पर्व के लिए यरूशलेम गया।

अब, यरूशलेम में भेड़ गेट के पास, अरामी भाषा में बेथेस्डा नामक एक तालाब है, जो पाँच ढके हुए स्तंभों से घिरा हुआ है। यहाँ बड़ी संख्या में विकलांग लोग लेटे रहते थे। अंधे, लंगड़े, लकवाग्रस्त और फिर जैसा कि एनआईवी में नोट बताता है, कुछ कम महत्वपूर्ण पांडुलिपियों में जोड़ा गया है, और वे पानी के हिलने का इंतजार करते थे।

समय-समय पर एक देवदूत नीचे आता और पानी को हिलाता, हर बार जब कोई व्यक्ति पानी में सबसे पहले उतरता तो उसकी बीमारी ठीक हो जाती। फिर, हम एक और निश्चित पाठ पर वापस जाते हैं। वहाँ एक व्यक्ति था जो 38 साल से बीमार था।

जब यीशु ने उसे वहाँ लेटा हुआ देखा और जाना कि वह बहुत दिनों से इस हालत में है, तो उसने उससे पूछा, " क्या तू चंगा होना चाहता है?" रोगी ने उत्तर दिया, "हे प्रभु, मेरे पास कोई नहीं है जो पानी हिलाए जाने पर मुझे कुण्ड में उतारे। जब मैं कुण्ड में उतरने की कोशिश करता हूँ, तो कोई

और मेरे आगे उतर जाता है।” तब यीशु ने उससे कहा, “ उठ , अपनी खाट उठा, और चल फिर।”

एक बार जब वह व्यक्ति ठीक हो गया, तो उसने अपनी चटाई उठाई और चलने लगा। जिस दिन यह हुआ वह सब्त का दिन था। इसलिए, यहूदियों ने उस व्यक्ति से जो ठीक हो गया था, कहा, यह सब्त का दिन है।

व्यवस्था के अनुसार तुम अपनी खाट उठाकर नहीं चल सकते। परन्तु उस ने उत्तर दिया, जिस मनुष्य ने मुझे चंगा किया, उसने मुझ से कहा, अपनी खाट उठाकर चल फिर। तब उन्होंने उस से पूछा, यह कौन है जिस ने तुझ से कहा, अपनी खाट उठाकर चल फिर? जो मनुष्य चंगा हुआ था, वह नहीं जानता था कि वह कौन है, क्योंकि यीशु भीड़ में छिप गया था, और वह वहीं था।

बाद में, यीशु ने उसे मंदिर में पाया और उससे कहा, "देख, तू फिर से अच्छा हो गया है। पाप करना छोड़ दे, नहीं तो तेरे साथ कुछ और बुरा हो सकता है।" वह आदमी चला गया और यहूदियों से कहा कि यह यीशु ही थे जिन्होंने उसे ठीक किया था।

इसलिए, क्योंकि यीशु ने ये काम सब्त के दिन किए थे, इसलिए यहूदियों ने उसे सताया। यीशु ने उनसे कहा, “ मेरा पिता आज तक काम करता है, और मैं भी काम करता हूँ।” इस कारण यहूदियों ने उसे मार डालने का और भी अधिक प्रयत्न किया।

वह न केवल सब्त का उल्लंघन कर रहा था, बल्कि वह परमेश्वर को अपना पिता भी कह रहा था, खुद को परमेश्वर के बराबर बता रहा था। खैर, घटना की ऐतिहासिकता, अवसर, यहूदियों के एक पर्व के दौरान, कई पर्व सुझाए गए हैं, यहाँ तक कि पुरीम भी, हम वास्तव में निश्चित नहीं हैं कि वह कौन सा था, जॉन 4 की घटनाओं के कुछ महीने से एक साल बाद। यीशु एक ऐसे व्यक्ति को देखता है जो लंगड़ा है या ऐसा ही कुछ है और सब्त के दिन उसे ठीक करता है। उदारवादी स्पष्टीकरण, मनोदैहिक उपचार, या बिल्कुल नहीं हुआ, चमत्कारों पर प्रतिक्रिया करने वाले उदारवादियों के लिए दो मानक हैं।

ऐतिहासिकता का प्रमाण: यह स्थान अब अच्छी तरह से स्थापित हो चुका है, हालाँकि यह स्थान 1900 में भी अज्ञात था। हाल ही में हुए पुरातात्विक कार्यों ने इसे स्पष्ट कर दिया है। यहूदी नेताओं की प्रतिक्रिया, यदि यह सब्त के बारे में रब्बी के विचार हैं, तो स्वर्गदूत के बारे में खराब तरीके से प्रमाणित श्लोक 4 से पता चलता है कि यह स्थान 70 ईस्वी से पहले की परंपराओं में अच्छी तरह से जाना जाता था।

प्रत्यक्षदर्शियों की प्रतिक्रिया, वह व्यक्ति स्वयं आभारी प्रतीत होता है, श्लोक 11 और 15। मुझे लगता है कि श्लोक 15 से यह नहीं समझा जाना चाहिए कि वह दुर्भावनापूर्ण था, कि वह क्रोधित था कि वह अपनी चटाई उठाने के कारण मुसीबत में पड़ गया, और इसलिए उसे पता चला कि यीशु कौन है और उसने जाकर इसकी सूचना दी, बल्कि यह कि वह लोगों को यह बताना चाहता था कि यीशु ने ऐसा किया है। यहूदी नेता केवल सब्त के उल्लंघन को देखते हैं, जिसे बाद में श्लोक 17 में ईशनिंदा के रूप में देखा जाता है।

पुराने नियम की पृष्ठभूमि। इसी तरह के चमत्कार। पुराने नियम में सब्त के दिन चंगाई का कोई संदर्भ नहीं है।

एलिय्याह और एलीशा दोनों ने मरे हुए लोगों को जीवित करने के लिए उन्हें छुआ। अन्य सामग्री, सब्त के बहुत सारे नियम, निर्गमन 23, 31, 35, संख्या 15, नहेमायाह 13, यिर्मयाह 17। यहाँ सब्त के दिन कोई मन्ना नहीं है, याद रखें।

निर्गमन 16:22-29. लेकिन सब्त के दिन याजक का परिश्रम, गिनती 28, 9-10. जब मुक्ति आएगी तो लंगड़े चलने लगेंगे, यशायाह 35:6. महत्व? इसका तत्काल प्रभाव क्या है? खैर, एक आदमी ठीक हो जाता है।

यीशु और नेताओं के बीच विवाद विकसित होता है, जिसके परिणामस्वरूप उनके कार्यों और दावों के लिए उनका कड़ा विरोध होता है। जीवन मुक्ति के इतिहास में है। यीशु राष्ट्र के आधिकारिक प्रतिनिधियों के सामने दावे करते हैं।

वह सब्त के दिन पर अपने अधिकार को पिता के साथ अपने अनूठे रिश्ते पर आधारित करता है। प्रतीकात्मक तत्व। खैर, एक संभावना यह है कि क्या हमें सब्त को अंतिम समय के प्रतीक के रूप में देखना चाहिए, जो कि युग के अंत का प्रतीक है।

इसके लिए कुछ वारंट है। उपचार अंतिम समय की बात है। हमें निश्चित रूप से इसके लिए वारंट मिला है, कि भगवान सभी बीमारियों और मृत्यु और ऐसी ही अन्य चीजों को ठीक करने और दूर करने जा रहे हैं।

परमेश्वर सब्त के दिन काम करता है। दिलचस्प है, है न? खास तौर पर छुटकारे के मामले में। और यह निश्चित रूप से वही है जो यीशु उनसे कह रहा है।

जो बात उन्हें गुस्सा दिलाती है, अगर वे चाहें तो, वास्तव में, परमेश्वर का उद्धार का कार्य है। हम जन्म से अंधे व्यक्ति की ओर बढ़ते हैं। यूहन्ना 9. जब वह, यीशु, आगे बढ़ रहा था, उसने एक व्यक्ति को जन्म से अंधा देखा।

उसके चेलों ने उससे पूछा, रब्बी, किसने पाप किया, इस आदमी ने या उसके माता-पिता ने, कि वह अंधा पैदा हुआ? यीशु ने कहा, न तो इस आदमी ने और न ही उसके माता-पिता ने पाप किया, इसका मतलब यह नहीं था कि उन्होंने कभी पाप नहीं किया था, लेकिन ऐसा इसलिए हुआ ताकि परमेश्वर का काम उसके जीवन में प्रदर्शित हो सके। जब तक दिन है, हमें उसका काम करना चाहिए जिसने मुझे भेजा है। रात आ रही है जब कोई काम नहीं कर सकता।

जब तक मैं संसार हूँ, मैं संसार की ज्योति हूँ। यह कहकर उसने भूमि पर थूका, और थूक से मिट्टी सानी, और उसे उस मनुष्य की आँखों पर लगाया। और उससे कहा, जा, शीलोह के कुण्ड में नहा ले।

और यूहन्ना ने बताया कि सिलोम शब्द का अर्थ है पाप। इसलिए, वह आदमी गया और नहाया और घर वापस आया। उसके पड़ोसियों और जिन लोगों ने उसे पहले भीख मांगते देखा था, उन्होंने पूछा, क्या यह वही आदमी नहीं है जो बैठकर भीख मांगता था? कुछ लोगों ने दावा किया कि वह वही था।

दूसरों ने कहा नहीं, वह तो बस उसी जैसा दिखता है। लेकिन वह खुद जोर देकर कहता रहा, मैं ही वह आदमी हूँ। फिर तुम्हारी आँखें कैसे खुली थीं, उन्होंने पूछा।

उसने उत्तर दिया, "जिस व्यक्ति को वे यीशु कहते थे, उसने मिट्टी गूंथकर मेरी आँखों पर लगाई। उसने मुझे सिलोम में जाकर धोने के लिए कहा। इसलिए मैं गया और नहाया, और तब मैं देख पाया।"

उन्होंने उससे पूछा, "यह आदमी कहाँ है?" उसने कहा, "मैं नहीं जानता।" वे उसे फरीसियों के पास ले गए, जो जन्म से अंधा था।

जिस दिन यीशु ने मिट्टी सानकर उस मनुष्य की आँखें खोली थीं, वह सब्त का दिन था। इसलिए फरीसियों ने भी उससे पूछा कि तूने कैसे आँखें देखीं। उस मनुष्य ने उत्तर दिया, उसने मेरी आँखों पर मिट्टी लगाई, और मैंने धो लिया, और अब मैं देख सकता हूँ।

कुछ फरीसियों ने कहा कि यह आदमी परमेश्वर की ओर से नहीं है, क्योंकि वह सब्त का पालन नहीं करता। लेकिन दूसरों ने पूछा, एक पापी ऐसे चमत्कारी चिन्ह कैसे कर सकता है? इसलिए, वे विभाजित हो गए। अंत में, वे फिर से अंधे आदमी की ओर मुड़े।

तुम उसके बारे में क्या कहना चाहते हो? उसने तुम्हारी आँखें खोली हैं। उस आदमी ने जवाब दिया कि वह एक नबी है। लेकिन तुम अभी भी यह नहीं मानते कि वह अंधा था और जब तक उसने उस आदमी के माता-पिता को नहीं बुलाया, तब तक उसे अपनी दृष्टि वापस नहीं मिली।

उन्होंने पूछा, क्या यह तुम्हारा बेटा है? क्या यह वही है जिसके बारे में तुम कहते हो कि वह जन्म से अंधा था? अब वह कैसे देख सकता है? हम जानते हैं कि वह हमारा बेटा है, माता-पिता ने उत्तर दिया, और हम जानते हैं कि वह जन्म से अंधा है, लेकिन वह अब कैसे देख सकता है, या किसने उसकी आँखें खोलीं, हम नहीं जानते। उससे पूछो, वह वयस्क है, वह खुद ही बताएगा। उसके माता-पिता ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वे यहूदियों से डरते थे, क्योंकि यहूदियों ने पहले ही तय कर लिया था कि जो कोई भी यह स्वीकार करेगा कि यीशु ही मसीह है, उसे आराधनालय से बाहर निकाल दिया जाएगा।

इसलिए उसके माता-पिता ने कहा, वह बड़ा हो गया है, उसी से पूछो। दूसरी बार उन्होंने उस अंधे आदमी को बुलाया। परमेश्वर की महिमा करो।

अगर आप यहोशू 7:19 को देखें, तो यह सच बोलने या फिर अगर आप चाहें तो कबूल करने का एक गंभीर आदेश है। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि यह आदमी पापी है। उस व्यक्ति ने जवाब दिया, वह पापी है या नहीं, मुझे नहीं पता।

एक बात मैं जानता हूँ, मैं अंधा था, लेकिन अब मैं देख सकता हूँ। तब उन्होंने उससे पूछा, उसने तुम्हारे साथ क्या किया? उसने तुम्हारी आँखें कैसे खोल दीं? उसने उत्तर दिया, मैंने तुमसे पहले ही कहा था, और तुमने नहीं सुना। तुम इसे फिर से क्यों सुनना चाहते हो? क्या तुम भी उसके शिष्य बनना चाहते हो? तब उन्होंने उसका अपमान किया और कहा, तुम इस आदमी के शिष्य हो।

हम मूसा के शिष्य हैं। हम जानते हैं कि परमेश्वर ने मूसा से बात की थी, लेकिन इस व्यक्ति के बारे में हम यह भी नहीं जानते कि वह कहाँ से आया है। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया, अब यह उल्लेखनीय है।

तुम नहीं जानते कि वह कहाँ से आया है, फिर भी उसने मेरी आँखें खोल दीं। हम जानते हैं कि परमेश्वर पापियों की नहीं सुनता, वह उस धर्मी व्यक्ति की सुनता है जो उसकी इच्छा पूरी करता है। किसी ने कभी जन्म से अंधे व्यक्ति की आँखें खोलने के बारे में नहीं सुना है।

अगर यह आदमी भगवान की तरफ से न होता, तो कुछ नहीं कर सकता था। इस पर उन्होंने कहा, "तुम तो जन्म से ही पाप में डूबे हुए हो। हमें उपदेश देने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई?" उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया।

यीशु ने सुना कि उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया है, और जब वह उससे मिला, तो उसने पूछा, "क्या तुम मनुष्य के पुत्र पर विश्वास करते हो? वह कौन है, श्रीमान?" उस व्यक्ति ने पूछा। मुझे बताओ, ताकि मैं उस पर विश्वास कर सकूँ। यीशु ने कहा कि तुमने उसे अब देखा है।

वास्तव में, वह वही है जो तुमसे बात कर रहा है। तब उस व्यक्ति ने कहा, हे प्रभु, मैं विश्वास करता हूँ, और उसने उसे दण्डवत् किया। यीशु ने कहा, मैं न्याय करने के लिये इस जगत में आया हूँ, कि अंधे देखें, और जो देखते हैं वे अंधे हो जाएँ।

यीशु के साथ मौजूद कुछ फरीसी उसे यह कहते हुए सुन रहे थे और पूछ रहे थे, क्या? क्या हम भी अंधे हैं? यीशु ने कहा, अगर तुम अंधे होते, तो तुम पाप के दोषी नहीं होते। लेकिन अब जब तुम दावा करते हो कि तुम देख सकते हो, तो तुम्हारा अपराध बना हुआ है। खैर, यह एक प्रभावशाली लंबा चमत्कार वृत्तांत है।

यरूशलेम में घटना, चाहे झोपड़ियों का पर्व हो, जिसका वर्णन अध्याय 7 और 8 में किया गया है, या समर्पण का पर्व, हनुक्का, जिसका वर्णन अध्याय 10 में किया गया है। यीशु और उनके शिष्यों ने एक व्यक्ति को जन्म से अंधा देखा, जो संभवतः भीख मांग रहा था, श्लोक 8। शिष्य बीमारी के कारण के बारे में सवाल पूछते हैं। यीशु उसे ठीक कर देते हैं।

उदार व्याख्याएँ गढ़ी गईं। मनोदैहिक। ऐतिहासिकता का प्रमाण।

खैर, रब्बी, फरीसी, सिलोम जैसे शब्द। थूक और मिट्टी बनाने से जुड़ा सब्बाथ विवाद। जांच का विवरण, बहिष्कार।

हिब्रू धर्म में परमेश्वर की महिमा की जाती है। जोशुआ 7.19 से तुलना करें। अंधे व्यक्ति, माता-पिता, पड़ोसियों, फरीसियों और फरीसियों के व्यवहार के बारे में मानव मनोविज्ञान की अवधारणात्मक तस्वीर। प्रत्यक्षदर्शियों की प्रतिक्रिया।

खैर, एक अंधे आदमी का बढ़ता हुआ विश्वास, फरीसियों का बढ़ता हुआ अविश्वास, हालाँकि वे अभी भी इस बिंदु पर विभाजित हैं, लेकिन वे अंत तक विभाजित रहेंगे। इसलिए, अरिमथिया के जोसेफ और निकोडेमस स्पष्ट रूप से यीशु के पक्ष में हैं, हालाँकि वे ध्रुवीकरण बढ़ने के साथ इसका विज्ञापन करने से हिचकते हैं। साथी की पहचान को लेकर पड़ोसियों के बीच विवाद।

हमारे पास पुराने नियम की किस तरह की पृष्ठभूमि है? इसी तरह के चमत्कार? पुराने नियम में अंधे को ठीक करने के कोई मामले नहीं हैं, शायद यही वजह है कि साथी ने कहा, नहीं, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। कोई वर्णन नहीं, है न? अन्य? खैर, निर्गमन 4.11 और भजन 146:8 हैं, जो कहते हैं कि भगवान अंधा बनाता है और चंगा करता है। और फिर यशायाह 29.18 और 35.5 में, अंधे युग के अंत में चंगे हो जाएंगे।

यशायाह 42:7 में, यशायाह के सेवक अंशों में कहा गया है कि लोग परमेश्वर के सेवक द्वारा चंगे किए जाएँगे। इसलिए, परमेश्वर अंधा बनाता है और चंगा करता है। निर्गमन 4:11, 12 यहोवा ने मूसा से बात करते हुए उससे कहा, मनुष्य को उसका मुँह किसने दिया? कौन उसे बहरा या गूंगा बनाता है? कौन उसे दृष्टि देता है या उसे अंधा बनाता है? क्या यह मैं, यहोवा नहीं हूँ? अब जाओ।

मैं तुम्हें बोलने में सहायता करूंगा और तुम्हें सिखाऊंगा कि क्या बोलना है। भजन संहिता 146.8 यहोवा अंधों को दृष्टि देता है। यहोवा झुके हुओं को सीधा करता है।

प्रभु धर्मी से प्रेम करता है। अंधे ने उसे चंगा किया। एस्केटन, यशायाह 29.18 उस दिन बहरे पुस्तक के शब्द सुनेंगे।

और अंधों की आंखें अंधकार और अंधकार से बाहर निकलेंगी। यशायाह 35.5 तब अंधों की आंखें खोली जाएंगी और बहरों के कान खोले जाएंगे। और फिर सेवक मार्ग में, यशायाह 42:5-7 यही वह है जो प्रभु कहता है जिसने आकाश को बनाया और उसे फैलाया। जिसने पृथ्वी और उसमें से जो कुछ निकलता है, उसे फैलाया। जो उसके लोगों को सांस और उस पर चलने वालों को जीवन देता है।

मैं यहोवा ने तुझे धार्मिकता में बुलाया है। मैं तेरा हाथ थामकर तेरी रक्षा करूंगा, और तुझे लोगों के लिये वाचा और अन्यजातियों के लिये ज्योति ठहराऊंगा।

अंधी आँखों को खोलना। बंदियों को जेल से मुक्त करना। और अंधेरे में बैठे लोगों को कालकोठरी से मुक्त करना।

खैर, चमत्कार का महत्व। फिर से तत्काल प्रभाव। वह व्यक्ति ठीक हो गया।

लेकिन उसे उत्पीड़न का भी सामना करना पड़ता है। और जाहिर है कि वह उद्धार के लिए आया था। फरीसी इस मामले से निपटने के लिए मजबूर हैं।

वे मसीह के दावों को स्वीकार करने से इनकार करते हैं। और इसलिए, परिणामस्वरूप वे और भी दूर चले जाते हैं - जो एक महत्वपूर्ण विशेषता है।

जब कोई व्यक्ति बहुत मजबूत सबूतों से निपटने से इनकार करता है, तो वह और भी अधिक विरोध और हठधर्मिता में पड़ जाता है। मुक्ति के इतिहास में एक स्थान। फिर से, यह मूसा, एलिय्याह और एलीशा के संबंध में मसीह की विशिष्टता को दर्शाता है।

इसके अलावा, हम न्याय और उद्धार का एक मजबूत विषय देखते हैं। प्रतीकात्मक तत्व। यह अध्याय के अंत में बहुत स्पष्ट है।

गद्यांश के अंत में भौतिक प्रकाश और दृष्टि अंधकार और अंधापन।

आध्यात्मिक दृष्टि और आध्यात्मिक अंधेपन के लिए खड़े हो जाओ। इसे पद 5 में देखें। पद 39-41। और यशायाह 42:16-19 और यशायाह 59:10 की तुलना करें।

यह यीशु मिट्टी बना रहा है। यह एक दिलचस्प घटना है। कुछ साल पहले जब मैंने पहली बार इस बारे में सोचा था, तो मुझे यह बात समझ में आई।

उत्पत्ति क्या थी। अंग्रेजी अनुवाद में स्पष्ट नहीं है। लेकिन भगवान मानव जाति को बनाने के लिए मिट्टी बनाते हैं।

वह धूल भरी धरती लेता है और उसे ढालता है, यही शब्द है। यह यत्सर है । कुम्हार के लिए संज्ञा रूप में भी यही शब्द इस्तेमाल किया जाता है।

मनुष्य को बनाने के लिए मिट्टी बनाता है। तो, हमारे पास जो चित्र है वह यीशु की मिट्टी बनाने की है ताकि वह व्यक्ति के दर्शन को फिर से बना सके या ऐसा ही कुछ। और निश्चित रूप से यह यीशु के बारे में एक काफी मजबूत कथन है कि वह कौन है।

जिसने शुरू में आदम को मिट्टी से बनाया और उसे यहाँ जीवित किया। अगर आप चाहें तो उसकी आँखों पर मिट्टी लगाकर उसकी दृष्टि को जीवित कर देता है। लाजर को जीवित करना।

यूहन्ना 11: लाज़र नाम एक मनुष्य बीमार था, जो मरियम और उस की बहिन मरथा के गांव बैतनिय्याह का था।

यह मरियम जिसका भाई लाजर अब बीमार पड़ा था, वही थी जिसने प्रभु पर इत्र डाला और अपने बालों से उसके पैर पोंछे। इसलिए बहन ने यीशु को संदेश भेजा, प्रभु जिसे आप प्यार करते हैं वह बीमार है। जब उसने यह सुना तो यीशु ने कहा, यह बीमारी मृत्यु में समाप्त नहीं होगी।

नहीं, यह परमेश्वर की महिमा के लिए है ताकि परमेश्वर के पुत्र की महिमा हो सके। यीशु मार्था और उसकी बहन लाज़र से प्रेम करता था। फिर भी जब उसने सुना कि लाज़र बीमार है तो वह वहाँ दो दिन और रुका।

फिर उसने अपने शिष्यों से कहा, चलो हम यहूदिया वापस चलें। लेकिन उन्होंने कहा, रब्बी, थोड़ी देर पहले यहूदियों ने तुम्हें पत्थरवाह करने की कोशिश की थी, और फिर भी तुम वहाँ वापस जा रहे हो? यीशु ने उत्तर दिया, क्या दिन के बारह घंटे नहीं होते? जो व्यक्ति दिन में चलता है, वह ठोकर नहीं खाएगा क्योंकि वह इस संसार के प्रकाश में देखता है। जब वह रात में चलता है, तो वह ठोकर खाता है क्योंकि उसके पास कोई प्रकाश नहीं है।

यह कहने के बाद, उसने उनसे कहा कि हमारा मित्र लाजर सो गया है, लेकिन मैं उसे जगाने जा रहा हूँ। उसके शिष्यों ने उत्तर दिया, प्रभु यदि वह सो जाए तो वह ठीक हो जाएगा। यीशु अपनी मृत्यु के बारे में बात कर रहे थे, लेकिन उनके शिष्यों ने सोचा कि उनका मतलब प्राकृतिक नींद से है।

तब उसने उनसे साफ-साफ कहा, “लाजर मर चुका है और तुम्हारे लिए मुझे खुशी है कि मैं वहाँ नहीं था ताकि तुम विश्वास करो, लेकिन आओ हम उसके पास चलें।” तब थोमा ने जो दिदुमुस कहलाता है, बाकी चेलों से कहा, “आओ हम भी उसके साथ मरें।” वहाँ पहुँचने पर यीशु ने पाया कि लाजर को कब्र में रखे चार दिन हो चुके हैं।

बेथानी यरूशलेम से दो मील से भी कम दूरी पर था, और कई यहूदी मार्था और मरियम के पास उनके भाई की मृत्यु पर उन्हें सांत्वना देने आए थे। जब मार्था ने सुना कि यीशु आ रहा है, तो वह उससे मिलने के लिए बाहर गया, लेकिन मरियम घर पर ही रही। प्रभु, मार्था ने यीशु से कहा, यदि आप यहाँ होते तो मेरा भाई नहीं मरता, लेकिन मैं जानती हूँ कि अब भी परमेश्वर आपको वह सब देगा जो आप माँगेंगे।

यीशु ने उससे कहा, तेरा भाई जी उठेगा। मार्था ने उत्तर दिया, मैं जानती हूँ कि वह अंतिम दिन पुनरुत्थान के समय जी उठेगा। यीशु ने उससे कहा, मैं जीवन में पुनरुत्थान हूँ।

जो मुझ पर विश्वास करता है, वह मरकर भी जीवित रहेगा, और जो जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है, वह कभी नहीं मरेगा। क्या तुम इस पर विश्वास करते हो? हाँ, प्रभु, उसने उससे कहा। मैं विश्वास करती हूँ कि तुम मसीह हो, परमेश्वर का पुत्र जो संसार में आया है।

यह कहने के बाद वह वापस गई और अपनी बहन मैरी को एक तरफ बुलाया। उसने कहा, शिक्षक यहाँ हैं, और वे तुम्हें बुला रहे हैं। जब मैरी ने यह सुना तो वह जल्दी से उठी और उसके पास गई।

अब, यीशु अभी तक गाँव में नहीं आया था, लेकिन अभी भी उसी जगह पर था जहाँ मार्था ने उससे मुलाकात की थी। जब यहूदियों ने जो मरियम के साथ घर में उसे सांत्वना दे रहे थे, देखा कि वह कितनी जल्दी उठकर बाहर चली गई, तो उन्होंने यह सोचकर उसका पीछा किया कि वह कब्र

पर शोक मनाने जा रही है। जब मरियम उस जगह पहुँची जहाँ यीशु था और उसे देखा तो वह उसके पैरों पर गिर पड़ी और बोली, प्रभु, यदि आप यहाँ होते तो मेरा भाई नहीं मरता।

जब यीशु ने उसे और उसके साथ आए यहूदियों को रोते देखा तो वह बहुत दुखी हुआ और व्याकुल हो गया। उसने पूछा, तुमने उसे कहाँ रखा है? उन्होंने उत्तर दिया, प्रभु, आकर देख लो।

यीशु रोया। तब यहूदियों ने कहा, “ देखो, वह उससे कितना प्रेम करता था।” परन्तु उनमें से कुछ ने कहा, “ क्या वह, जिसने अंधे की आँखें खोलीं, इस मनुष्य को मरने से नहीं बचा सकता था?” यीशु एक बार फिर बहुत दुखी होकर कब्र पर आया।

यह एक गुफा थी जिसके प्रवेश द्वार पर एक पत्थर रखा हुआ था। उसने कहा, पत्थर हटाओ। लेकिन प्रभु ने कहा, "मार्था, मृतक की बहन, अब तक वहाँ से बुरी बदबू आ रही है क्योंकि वह चार दिन से वहाँ है।"

तब यीशु ने कहा, "क्या मैंने तुमसे नहीं कहा था कि यदि तुम विश्वास करोगे तो परमेश्वर की महिमा को देखोगे?" तब उन्होंने पत्थर हटा दिया। तब यीशु ने ऊपर देखा और कहा, "पिता, मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि तूने मेरी बात सुन ली है। मैं जानता था कि तू हमेशा मेरी बात सुनता है, परन्तु मैंने यह यहाँ खड़े लोगों के लाभ के लिए कहा, कि वे विश्वास करें कि तूने मुझे भेजा है।"

जब उसने यह कहा, तो यीशु ने ऊँची आवाज़ में पुकारा, “हे लाज़र, बाहर आ!” मरा हुआ आदमी हाथ-पाँव में कपड़े लपेटे हुए और मुँह पर कपड़ा बाँधे हुए बाहर आया। यीशु ने उससे कहा, “ कफ़न उतारकर उसे जाने दो।” तब बहुत से यहूदी जो मरियम से मिलने आए थे और उन्होंने यह देखा था कि यीशु ने क्या किया था, उस पर विश्वास किया।

लेकिन उनमें से कुछ लोग फरीसियों के पास गए और यीशु ने जो कुछ किया है, उसे बताया। तब प्रधान याजकों और फरीसियों ने महासभा की बैठक बुलाई। उन्होंने पूछा, हम क्या कर रहे हैं?

यह आदमी बहुत से चमत्कार कर रहा है। अगर हम उसे ऐसे ही रहने दें, तो सब लोग उस पर विश्वास करेंगे और फिर रोमी आकर हमारी जगह और हमारी जाति छीन लेंगे। तब उनमें से एक कैफा नाम का जो उस वर्ष का महायाजक था, बोला, “ तू कुछ भी नहीं जानता।”

तुम नहीं समझते कि तुम्हारे लिए यह बेहतर है कि एक आदमी लोगों के लिए मरे , बजाय इसके कि पूरी जाति नाश हो जाए। उसने यह बात अपने आप नहीं कही, बल्कि उस साल महायाजक के तौर पर उसने भविष्यवाणी की कि यीशु यहूदी राष्ट्र के लिए मरेगा, और न केवल उस राष्ट्र के लिए बल्कि परमेश्वर की बिखरी हुई संतानों के लिए भी, उन्हें एक साथ लाने और एक करने के लिए। इसलिए उस दिन से, उन्होंने उसकी जान लेने की साजिश रची।

खैर, इन घटनाओं की ऐतिहासिकता यीशु की सेवकाई के अंत में क्रूस पर चढ़ाए जाने से कुछ महीने पहले की घटना है। जब यीशु को संदेश मिलता है तो वह जॉर्डन के पार बेथानी में होते हैं। यरूशलेम के पास बेथानी जाने से पहले वह दो दिन प्रतीक्षा करते हैं।

उदारवादी स्पष्टीकरण: लाजर वास्तव में मरा नहीं था। मैं कहूंगा कि यह पुनर्जीवन था। या फिर यह एक साजिश थी।

या फिर लाजर और धनी व्यक्ति के दृष्टांत को एक कथा में बदल दिया गया। या फिर यह एक मिथक या रूपक था। हालाँकि, मरियम और मार्था के चरित्र लूका में जो हम देखते हैं उससे मेल खाते हैं।

और यरूशलेम के पास बेथानी का स्थान और अन्य स्थानों के नाम उस समय इज़राइल के बारे में हमारी जानकारी से मेल खाते हैं। अंधे आदमी के संदर्भ में दुश्मनों की प्रतिक्रिया सहित कथा का विवरण सभी इसकी ऐतिहासिकता से मेल खाते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों की प्रतिक्रिया।

इस घटना को देखने वाले कई यहूदी इस पर यकीन करने लगे। कुछ लोगों ने इस घटना के बारे में फरीसियों को बताया। इसी तरह के चमत्कार हुए।

पुराने नियम की पृष्ठभूमि। 1 राजा 17 में एलिय्याह द्वारा विधवा के बेटे का पुनरुत्थान। 2 राजा 4 में एलीशा द्वारा शूनेम के बेटे का पुनरुत्थान।

2 राजा 13 में एलीशा की हड्डियों द्वारा उस व्यक्ति का पुनरुत्थान। ये सभी हाल ही में मरे थे। लाजर को मरे हुए चार दिन हो चुके हैं और संभवतः तब से ही उसकी सड़न शुरू हो गई है।

कुछ अन्य समानताएँ भी हैं। मृतकों को छूने से अशुद्धता का पता चलता है, गिनती 19:11-12। पुनरुत्थान पर युगांतशास्त्रीय सामग्री, दानिय्येल 12 से यशायाह 26-19।

इस पुनरुत्थान का युग के अंत के साथ स्पष्ट संबंध है, श्लोक 23-26। महत्व। मध्यिका प्रभाव।

लाजर को जीवित किया जाता है। परिवार को फिर से स्थापित किया जाता है। यीशु को मार डालने का महासभा का निर्णय लागू होता है।

उद्धार के इतिहास में स्थान। अन्य पुनरुत्थान वृत्तांतों में एकमात्र अतिरिक्त विवरण यीशु को पुनरुत्थान और जीवन के रूप में वर्णित करना है। गैर-तुच्छ।

प्रतीकात्मक तत्व। यहाँ श्लोक 23-26 में युगांत संबंधी महत्व को उजागर किया गया है। कुछ लोगों को आश्चर्य हुआ है कि यीशु लाज़र के पास जाने से दो दिन पहले क्यों रुके थे।

जब वह वहाँ पहुँचता है, तो लाज़र चार दिन पहले से ही कब्र में पड़ा हुआ होता है। जाहिर है, जब तक संदेशवाहक यीशु के पास पहुँचता है, तब तक लाज़र शायद मर चुका होता। बेशक, तब संदेशवाहक को यीशु का यह उत्तर कि यह मृत्यु नहीं है, बहुत अजीब लगा होगा जब संदेशवाहक वापस आया और लाज़र मर चुका था और मरियम और मार्था को भी जब संदेश मिला।

लेकिन यीशु हमें कभी-कभी अजीबोगरीब बातें सोचने देते हैं ताकि बाद में हमें एहसास हो कि परमेश्वर वास्तव में नियंत्रण में है। खैर, यह यीशु की मानवीय क्षेत्र पर चमत्कारी शक्ति के कुछ उदाहरणों का हमारा त्वरित दौरा है। हमारे पास एक और क्षेत्र है जिस पर हम थोड़ी देर में नज़र डालना चाहेंगे और वह है आत्मिक क्षेत्र पर यीशु की शक्ति।

लेकिन हम अभी रुकेंगे।